भारत सरकार
कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि और किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3239
21 मार्च, 2023 को उत्तरार्थ

राष्ट्रीय मधुमक्खीपालन और शहद मिशन

3239. श्रीमती मंजूलता मंडल:
श्री सेल्वम जी.:
श्री सुनील दत्तात्रय तटकरे:
श्री सी.एन. अन्नादुराई:
डॉ. अमोल रामसिंह कोहली:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्रीमती सुप्रिया सुलेः
श्री धनुष एम. कुमार:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय मधुमक्खीपालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) के मुख्य उद्देश्य;
(ख) क्या एनबीएचएम के पास शहद केन्द्रों/क्लस्टरों को विशेष सहायता देने की कोई योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है;
(ग) क्या मधुमक्खी पालकों को पंजीकृत करने और उनके व्यवसाय का पता लगाने के लिए कोई तंत्र मौजूद है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) देश में विशेष रूप से ओडिशा, तमिलनाडु और महाराष्ट्र राज्यों में एनबीएचएम के तहत वित्त पोषण के लिए अब तक स्वीकृत/स्वीकृत परियोजनाओं की कुल संख्या कितनी है;
(ङ) आकांक्षी जिलों के साथ-साथ दूरस्थ और अन्य दुर्गम क्षेत्रों में कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
(च) क्या सरकार ने एनबीएचएम के तहत वैज्ञानिक मधुमक्खीपालन में क्षमता निर्माण, मधुमक्खीपालन के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण और गुणवत्ता में सुधार के लिए कदम उठाए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को दोगुना करने के लिए सरकार द्वारा शहद उत्पादन, मधुमक्खी आबादी, मधुमक्खी जैव-विविधता के संरक्षण, वैज्ञानिक मधुमक्खीपालन और भवन संबंधी लाभों को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने हैं?

उत्तर
कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) राष्ट्रीय मधुमक्खीपालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) का मुख्य उद्देश्य आय और रोजगार सृजन के लिए मधुमक्खीपालन उद्योग के समग्र विकास करना और वैज्ञानिक मधुमक्खीपालन को बढ़ावा देना, कृषि और गैर-कृषि परिवारों को आजीविका सहायता प्रदान करना, कृषि/बागवानी उत्पादन को बढ़ावा देना, शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के पोस्टहार्टवेस्ट प्रबंधन के लिए आधारभूत सुविधाओं का विकास करना है।

(ख) जी हां, एनबीएचएम के तहत शहद केन्द्रों/क्लस्टर्स को सपोर्ट करने के लिए 100 एफपीओ/ हनी क्लस्टर्स की पहचान की गई है। इनमें नेफेड को 60 शहद एफपीओ/क्लस्टर; एनडीडीबी को 26 एफपीओ/क्लस्टर और ट्राइफेड को 14 एफपीओ/क्लस्टर एनबीएचएम के माध्यम से, भारत सरकार की "10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन और प्रोत्साहन योजना" के तहत आवंटित किए गए हैं।

एनबीएचएम के तहत, राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (NBB) को प्राप्त परियोजनाओं के आधार पर कार्यान्वयन एजेंसियों को, एनबीएचएम के मानदंडों/ दिशानिर्देशों के अनुसार को सीधे राशि स्वीकृत की जाती है।

(ग) जी हां, एनबीएचएम के अन्तर्गत, मधुमक्खीपालकों के पंजीकरण और शहद व अन्य मधुमक्खी उत्पादों के स्रोत का पता लगा कर, ब्लॉकचेन विकसित करने हेतु, एक ऑनलाइन प्रणाली "मधुक्रांति पोर्टल" लॉन्च किया है।

(घ) देश में अब तक, एनबीएचएम के तहत, वित्त पोषण के लिए कुल 138 परियोजनाओं को मंजूरी/ स्वीकृति दी गई है। जिनमें से, ओडिशा में एक (1) परियोजना, तमिलनाडु में छह (6) परियोजनाएँ और महाराष्ट्र में दो (2) परियोजनाएँ अब तक एनबीएचएम के तहत स्वीकृत की जा चुकी हैं।

(ङ) एनबीएचएम के तहत आकांक्षी जिलों में कार्यान्वयन के लिए कुल 11 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। विवरण **अनुबंध- I** में संलग्न हैं।

(च) जी हाँ, सरकार ने वैज्ञानिक मधुमक्खीपालन में क्षमता निर्माण, मधुमक्खीपालन के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण और प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशालाओं आदि की मदद से गुणवत्ता में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। राज्य के भीतर/ बाहर कुल 1341 प्रशिक्षण और एक्सपोजर विजिट तथा मधुमक्खीपालन के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए, आज की तारीख तक कुल 164 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को एनबीएचएम के तहत मंजूरी दी गई है।

शहद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, अब तक 4 विश्व स्तरीय अत्याधुनिक शहद परीक्षण प्रयोगशालाएं और 31 मिनी शहद परीक्षण प्रयोगशालाएं स्वीकृत की गई हैं।

(छ) हां, सरकार द्वारा शहद उत्पादन, मधुमक्खी आबादी, मधुमक्खी जैव-विविधता के संरक्षण, कृषि उत्पादकता के लिए भवन संबंधी लाभ और किसानों की आय को दोगुना करने के लिए प्रशिक्षण, सेमिनार, मधुमक्खी के अनुकूल वनस्पति रोपण, मधुमक्खीपालन पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन आदि जैसे घटकों के माध्यम से विभिन्न कदम उठाए गए हैं।

अनुबंध- I

एनबीएचएम के तहत आकांक्षी जिलों में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण (2020-21 से 2022-23)				
सं. न.	**राज्य**	**जिले का नाम**	**एनबीएचएम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या**	**एजेंसियों का नाम**
1	जम्मू और कश्मीर	कुपवाड़ा	1	केवीके- कुपवाड़ा में, शहद व अन्य मधुमक्खी उत्पाद परीक्षण प्रयोगशाला को स्थापित करने के लिए, शेरी-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर, कश्मीर को परियोजना की मंजूरी दी है
2	उत्तराखंड	हरिद्वार	4	भारतीय सरसों के शहद की भूमिका के आकलन और दवा प्रतिरोध पेट के कैंसर और इसके मेटास्टेसिस के प्रबंधन और इलाज के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की, हरिद्वार, उत्तराखंड को परियोजना की मंजूरी दी है उत्तर-पूर्वी और पश्चिमी हिमालय क्षेत्र से उच्च ऊंचाई वाले भारतीय शहद के नमूनों के पोषण, जैविक और स्थिरता गुणों के व्यापक और वैज्ञानिक सत्यापन पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की, उत्तराखंड को परियोजना स्वीकृत की है। शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों की प्रसंस्करण इकाई की स्थापना के लिए, सनलाइट इंडिया एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, हरिद्वार, उत्तराखंड को परियोजना स्वीकृत की है। कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) और इन – हाउस शहद प्रसंस्करण इकाई में परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना के लिए ओनली एंड स्युरली (ओ एस ओ) कृषि उत्पाद, हरिद्वार, उत्तराखंड परियोजना की स्वीकृत है
3	राजस्थान	सिरोही	1	कृषि विज्ञान केंद्र)KVK), सिरोही में मधुमक्खीपालन में क्षमता निर्माण की परियोजना, जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय, राजस्थान को स्वीकृत की गई है
4	पश्चिम बंगाल	मालदा	1	मिनी शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पाद परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना के लिए सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर)CISH), मालदह, पश्चिम बंगाल को परियोजना स्वीकृत की गई है।
5	छत्तीसगढ़	नारायणपुर	1	वैज्ञानिक मधुमक्खीपालन एवं महिला अधिकारिता प्रशिक्षण हेतु उद्यान विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को नारायणपुर जिले में परियोजना स्वीकृत की गई है।
6	मध्य प्रदेश	दमोह	1	शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पाद परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना के लिए, कृषि विज्ञान केंद्र, दमोह, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश को परियोजना स्वीकृत की गई है।

7	कर्नाटक	रायचूर	2	शहद में मिलावट, थर्मोकेमिकल और माइक्रोबियल – पैरामीटर के निर्धारण के लिए, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर, कर्नाटक को परियोजना स्वीकृत की गई है। टीबीपी क्षेत्र की आर्थिक फसलों में उपज की वृद्धि और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार में मधुमक्खी परागण पर प्रभाव के अध्ययन पर शोध के लिए, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर, कर्नाटक को परियोजना स्वीकृत की गई है।
	Total		**11**	

*****